[This question paper contains 2 printed pages.]

Sr. No. of Question Paper : 7036 **D** **Your Roll No.....**

Unique Paper Code : 227501

Name of the Course : **B.A. (H) Economics**

Name of the Paper : Indian Economic Development Since 1947 II

Semester : V

Time : 3 Hours
समय : 3 घण्टे

Maximum Marks : 75
पूर्णांक : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. **All** questions carry equal marks, **15** marks each.
3. Attempt any **five** questions.
4. Answers may be written either in English or in Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।
3. किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
4. इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

1. Discuss, in some detail, how the unprecedented heavy inflow of foreign capital was tackled by India in the period 2003-08. In this context, briefly discuss the use of 'managed float' by RBI.

   वर्ष 2003-08 के दौरान विदेश पूँजी की अभूतपूर्व भारी प्रवाह से भारत कैसे निपटा ? विस्तार में चर्चा करें। इस संदर्भ में भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा 'मेनेज्ड फ्लोट' के उपयोग को संक्षेप में चर्चा करें।

2. "Although the labour laws have largely remained unchanged in India, their impact has been changing subject to the enforcement of such laws by the authorities, the capabilities of unions to deal with them and the strategies that the firms are following to avoid them." Discuss.

P.T.O.

"यद्यपि भारत में श्रम कानून काफी हद तक अपरिवर्तित रहे है; परन्तु अधिकारियों द्वारा इस प्रकार के कानूनों का प्रवर्तन, उनसे निपटने के लिए यूनियनों की क्षमताओं एवम् फर्मों की उनसे बचने की रणनीति से इनके प्रभाव बदल रहे हैं", चर्चा करें।

3. "Evidence of price shifts is too mild to account for the observed slowing down of the agricultural growth in India during the 1990s. However, there is ample evidence that non price factors may have moved against the producers." Discuss.

"1990 के दशक के दौरान भारत में कृषि विकास की धीमी दर के लेखा जोखा के लिए कीमत परिवर्तन हल्के साक्ष्य हैं। हालांकि इस बात के पर्याप्त सबूत हैं कि गैर-कीमत कारकें उत्पादकों के विरोधी रहे हैं।" चर्चा करें।

4. "Instead of resolving the distortions in agriculture, the agricultural price policy has aggravated them." Do you agree ? Give reasons in support of your answer.

"कृषि में विकृतियों को हल करने के बजाय कृषि कीमत नीति ने इन्हें तेज किया है।" क्या आप सहमत हैं ? उत्तर के समर्थन में कारण दें।

5. "It is not ownership, but the degree of competition that matters in attaining productive efficiency in the industry." Discuss the above statement in context of the privatization debate in India.

"स्वामित्व नहीं बल्कि प्रतिस्पर्धा की मात्रा है जो उद्योग में उत्पादक क्षमता प्राप्त करने में मायने रखती हैं।" भारत में निजीकरण बहस के संदर्भ में उपरोक्त बयान पर चर्चा करें।

6. Elaborate the problem of the 'missing middle' in the Indian manufacturing sector. In this context, briefly discuss the causes of the emergence and persistence of dualism.

भारतीय विनिर्माण क्षेत्र में 'गैर हाजिर मध्य' की समस्या पर प्रकाश डालें। इस संदर्भ में, संक्षेप में द्वैतवाद के उद्भव और दृढ़ता के कारणों पर चर्चा करें।

7. Provide an assessment of the Trade and FDI policy regime in India since 1991. Also, briefly, discuss its impact on the Indian industry.

1991 के बाद से भारत में व्यापार और विदेशी प्रत्यक्ष निवेश नीति के व्यवस्था का आकलन प्रस्तुत करें। इसके अलावा, संक्षेप में भारतीय उद्योग पर इसके प्रभाव पर चर्चा करें।

8. "The service sector has not only outperformed other sectors of the Indian economy, but has also played an important role in India's integration with the world trade and capital markets." Discuss.

"सेवा क्षेत्र ने भारतीय अर्थव्यवस्था के अन्य क्षेत्रों से न केवल बेहतर प्रदर्शन किया बल्कि विश्व व्यापार एवं पूँजी बाजार में भारत के एकीकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।" वर्णन करें।